Result Mitra Daily Magazine

केरल प्रवासन सर्वेक्षण

हालिया संदर्भ-

- हाल ही में केरल प्रवासन सर्वेक्षण (KMS, Kerala Migration Survey) - 2023 की रिपोर्ट पेश की गई है।
- इस रिपोर्ट का अनावरण पिछले सप्ताह तिरुवनंतपुरम में विदेश एवं अन्य राज्यों में निवासित केरलवासियों के लिए राज्य सरकार द्वारा स्थापित लोक केरल सभा में किया गया।
- केरल प्रवासन सर्वेक्षण, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट (IIMD) तथा गुलाटी इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस एंड टेक्सेशन द्वारा तैयार की जाती है।
- वर्ष 1998 से प्रत्येक 5 वर्ष में केरल प्रवासन सर्वेक्षण की रिपोर्ट पेश की जाती रही है।
- केरल प्रवासन सर्वेक्षण-2023, इस संस्करण का छठा रिपोर्ट है।
- इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश केरल के प्रवासियों (EMI, Emigrants), रिर्टन प्रवासियों (REM), आऊट प्रवासियों (OEM) और रिर्टन आऊट प्रवासियों (ROM) का डेटा एकत्र करती है जिससे राज्य के समाजिक-आर्थिक प्रभावों को समझने में भी मदद मिलती है।

सर्वेक्षण का आधार-

- केरल प्रवासन सर्वेक्षण-2023 के लिए केरल के सभी 14 जिलों के 20,000 से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया गया।
- इस सर्वेक्षण में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को अलग-अलग स्तर में बांटकर राज्यभर के 500 इलाकों का चयन किया गया।
- केरल प्रवासन सर्वेक्षण - 2023 के अर्न्तगत केरल के 20,000 घरों का सर्वेक्षण, केरल में अब तक किए गए सबसे बड़े समाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों में से एक है।
- इससे पहले केरल में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) ने केवल 12330 घरों का नमूना किया था।
- इस सर्वेक्षण में करीब तीन सौ प्रशिक्षित जांचकर्ताओं ने पहली बार डिजिटल डेटा संग्रह उपकरण का प्रयोग किया।

Result Mitra

सर्वेक्षण की मुख्य आंकड़े-

- केरल प्रवासन सर्वेक्षण-2023 के अनुसार वर्तमान में केरल के प्रवासियों की कुल संख्या 2.2 मिलियन है जो वर्ष 2018 के 2.1 मिलियन से थोड़ा अधिक है।
- इस सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2023 तक 1.8 मिलियन प्रवासन वापस केरल लौटे जबकि 2018 में यह आंकड़ा 1.2 मिलियन था।

अन्य आंकड़े-

खाड़ी देशों में प्रवासन में गिरावट-

- खाड़ी सहयोग परिषद (GCC, Gulf Co-operation council) के देशों (बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात) में केरल के प्रवासिओं में लगातार गिरावट दर्ज़ हो रही है।
- 1998 में जहाँ लगभग 95.8 प्रतिशत केरल के प्रवासी अपने गंतव्यों के लिए गल्फ में देशों को प्राथिमिकता देते थे वह 2023 में घटकर लगभग 70% तक पहुंच गई।

छात्र प्रवासन में वृद्धि-

- केरल में उच्च शिक्षा के लिए छात्र प्रवासियों की बढ़ती संख्या जो शिक्षा के लिए गल्फ देशों को पसंद नहीं करते, गल्फ देशों में केरल के प्रवासियों की हालिया कमी को संदर्भित करता है।
- इस रिपोर्ट के अनुसार केरल के कुल प्रवासियों का लगभग 11.3 प्रतिशत छात्र प्रवासियों का है।
- वर्ष 2018 की तुलना में 2023 में छात्र प्रवासियों की संख्या लगभग दोगुनी (129,763 से 250,000) हो गई।

महिलाओं के प्रवासन में वृद्धि-

- इस सर्वेक्षण में केरल के महिला प्रवासियों की संख्या में वृद्धि की बात कही गई है।
- वर्ष 2018 में जहाँ महिला प्रवासियों की संख्या 15.8% थी जो 2023 में बढ़कर 19.1 प्रतिशत हो गई है।
- इस सर्वेक्षण के अनुसार केरल के प्रवासियों में पुरुष प्रवासियों की तुलना में महिला प्रवासियों के अधिक दक्ष एवं योग्य होने की बात कही गई।

Result Mitra

- इस सर्वेक्षण के अनुसार केरल के कुल महिला प्रवासियों में 71.5% 'स्नातक' है जबकि कुल पुरुष प्रवासियों का केवल 34.7% ही 'स्नातक' (graduate) है।
- केरल की लगभग 51.6% महिला प्रवासी नर्सिंग क्षेत्र में काम करती है जिनमें से 40.5 महिलाएं पश्चिमी देशों में कार्यरत है।
- कुल छात्र प्रवासियों में लगभग 45.6 प्रतिशत महिलाएं हैं।

उत्तरी केरल से प्रवासी की सबसे बड़ी आबादी-

- केरल के कुल प्रवासियों में लगभग 41.8 % प्रवासी उत्तरी केरल से आते हैं जिनका प्रवास गल्फ देशों में अधिक देखा जाता है।
- केरल के कुल प्रवासियों में दूसरा सबसे बड़ा योगदान मध्य केरल (33.1%) तथा तीसरा स्थान दक्षिण केरल (25%) है।

मुस्लिम प्रवासियों की संख्या सबसे अधिक-

- वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार केरल की आबादी का 26% मुसलमान आबादी है।
- केरल की प्रवासियों की आबादी में सबसे बड़ा हिस्सा मुसलमानों का (41.9%) है।
- हिंदू, जो कि राज्य के कुल आबादी का 54% है का केरल की कुल प्रवासी आबादी का 35.2% है।
- ईसाई जो राज्य की कुल आबादी का 18% है, केरल के कुल प्रवासियों का 22.3% का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रवासियों द्वारा भेजे गए धन में वृद्धि-

- कोविड-19 महामारी के बाद केरल के प्रवासियों की 'आय' में लगातार वृद्धि देखी गई।
- वर्ष 2018 में जहाँ केरल के प्रवासियों ने केरल में 85,092 करोड़ रुपये भेजे जो 2023 में 154.9% की वृद्धि के साथ 216,893 करोड़ रुपये हो गया।
- वर्ष 2018 में प्रति प्रवासी परिवार की औसत आय 96,185 रुपये थी जो 2023 में बढ़कर 2.24 लाख रुपये हो गई।
- केरल राज्य के लोगों की प्रति व्यक्ति औसत आय 61,118 रुपये है।

Result Mitra

प्रवासियों के वापस केरल लौटने में वृद्धि-

- इस सर्वेक्षण के अनुसार पिछले 5 वर्षों में केरल प्रवास सर्वेक्षण के इतिहास में वापस लौटने वाले केरल प्रवासियों की सबसे बड़ी वृद्धि की बात कही गई है।
- पिछले 5 वर्षों में लगभग 495,962 व्यक्ति जो कुल प्रवासियों का 38.3% है वापस केरल लौट आए।
- इन वापस लौट रहे प्रवासियों में लगभग 19% ने कोविड महामारी के बाद नौकरी छूटने, 13.8% ने कम वेतन, 7.8% ने ख़राब कामकाजी परिस्थिति, 11.2% ने बीमारी या दुर्घटना, 16.1% ने केरल में काम करने की इच्छा, 12% ने सेनानिवृत्ति के रूप में वापस लौटने के कारणों का खुलासा किया।

केरल के पिछले 30 वर्षों के प्रवासी आंकड़े-

- केरल प्रवासन सर्वेक्षण के रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1998 में केरल के प्रवासियों की संख्या 1.4 मिलियन, जो 2003 में बढ़कर 1.8 मिलियन, 2008 में बढ़कर 2.2 मिलियन, 2013 में बढ़कर 2.4 मिलियन, 2018 में घटकर 2.1 मिलियन तथा 2023 में बढ़कर 2.2 मिलियन हो गई।
- ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि कुल वैश्विक मलयाली प्रवासी की संख्या 5 मिलियन है, जिनमें लगभग 3 मिलियन केरल के मालयाली प्रवासी तथा बाकी 2 मिलियन मलयाली प्रवासी भारत के अन्य राज्यों से हैं।
- केरल की कुल प्रवासी का लगभग 76.9 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक है।

निष्कर्ष-

- विदेश में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की सबसे आबादी के रूप में केरल भारत के अग्रणी राज्यों में से एक बनने की और अग्रसर है। ऐसे में राज्य के शैक्षिक बुनियादी ढाँचे को विकसित करने सहित तत्काल संसाधन उपलब्ध कराने की अवश्यकता है।
- इसके अलावा प्रवासियों के साथ बढ़ती एजेंटो द्वारा धोखाधड़ी की घटना को कम करने के लिए भाषा प्रशिक्षण केन्द्र सस्ति भर्ती एजेंसियों की नियमित निगरानी और विनियमन के करने आवश्यकता है।
- राज्य के श्रमिक प्रवासी आबादी को बेहतर रोजगार एवं अवसर को सुरक्षित करने सहित विदेश में अधिक भुगतान प्राप्त करने के लिए उनके कौशल (skill) में सुधार करने की जरूरत है।

Result Mitra